



एरा विवि : महिलाओं में विटामिन डी की कमी पर हुई कार्यशाला

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा महिलाओं में विटामिन डी की कमी विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मणिपुर इंफाल के एच.ए. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अफरोजुल हक ने किया। उन्होंने विटामिन डी की कमी की व्यापकता और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर हक विटामिन डी के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार भी रह चुके हैं।

प्रोफेसर हक ने फ्रांस, कनाडा, यूएसए, सऊदी अरब और यूई के संस्थानों में भी शोध एवं जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के पूर्व डीन भी रह चुके हैं। उन्होंने मानव स्वास्थ्य पर विटामिन डी की कमी और इसके प्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा



की, जिसमें मधुमेह, हृदय रोग, न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग और कैंसर जैसी बीमारियों में इसकी भूमिका भी सम्मिलित है। प्रोफेसर हक ने बताया

कि भारत और खाड़ी देशों में विशेषकर महिलाओं, किशोरों और बच्चों में विटामिन डी की कमी अधिक पाई जाती है। उन्होंने यह भी

कहा कि सूरज के संपर्क में आने से शरीर में पर्याप्त किरणें अवशोषित होती है जो हमारे शरीर में विटामिन डी के संश्लेषण में मदद करती है।

एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में मेडिसिन की प्रोफेसर प्रो. जेबा सिद्दीकी ने विटामिन डी, मानव शरीर में इसकी भूमिका और कार्य पर वार्ता की। आरएमएल आयुर्विज्ञान संस्थान की मुख्य आहार विशेषज्ञ डॉ. पूनम तिवारी और संजय गांधी पीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्याली भट्टाचार्य ने भी अपना व्याख्यान दिया। कार्यशाला का संचालन खाद्य एवं पोषण विभाग की प्रमुख डॉ. कहकशां परवीन एवं डॉ. मिन्हाज अख्तर उस्मानी ने किया। प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, डीन, विज्ञान संकाय ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी ने भी इस अवसर पर सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजयी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया।